

ॐ नमोः श्रीगुरुगरोशायनम॥

ॐ वर्जविलमाहा भैरवायनम
स्फाल॥ ॥ श्री असमाहका

दवदवीनमस्फाल॥ ॥ श्रीदा

सया अजीमाजुयातनमस्फाल॥

श्रीगुरुसिद्धिराजमन्त्रवावाहा

इरेनमस्फाल॥ दुसफारयाशर

ने ॥ जिपीशालन वया ॥ दया कृपा
तया वि० जाहुं ॥ ॥ ॐ सिद्धि
गुरु आ सा ॥ ॐ किं वहुना ॥ आ
सा सिद्धि हे भगवती नमो स्ता हा ॥
५२१०८ धोमंत्र ॥ मंत्र सिद्धि जु
ई ॥ तारनतयनं ॥ शलेयायनं
ज्यु ॥ नुत ॥ पेतं पुनात सां शदन

याय ॥ १ ॥ ॐ ग्रामे शालदाद
विगुरु आ सा ॥ हुं काली हुं परस्वा
हा ॥ धोमंत्रनं ॥ पईलानी जापेया
यवेरस ॥ गुरु समरनायाय ॥
धवमाने या ना तया सदेव देवी
स्य ना बुपी गुरु पी ॥ धोली नग

ॐ
सैतया ॥ पोमंत्रनीयेने ॥ ५४ १०८
ॐ सिद्धि गुरु भाज्ञा ॥ हर सिद्धि
त्रिशक्ति देवी स आज्ञा ॥ अयो जुसम
तुले पोदुङ्गीङ्गी फरु स्वाहा ॥ ५४
२१ अथ ग्रंथ जुसो १०८ ॥ अथ
त्रं सद्ध तायाय ॥ मचायु याचो
सा ॥ लेख जपा तोनके ॥ पायेहा

रे याय ॥ स्वउर्द्धाया तंयाय ॥ लं
ख जपा तोनके ॥ साहाको पयनं
जु ॥ मषु या नातर साहाले याय ॥
देष दोष ॥ भुत ॥ पेते ॥ दाकिनी
साकिनी यातनं शाले ॥ रोग स्वया
ज्यायाय माल ॥ आर्य दोके मजु ॥

ॐ सिद्धिगुरु आज्ञा ॥ ॐ जयउ
गुतिराय स्वाहा ॥ धार १०८
धोमंत्रनं ॥ मचाबुयमपयाचो
सा ॥ चिदनेजपा ॥ पापेईलाहा
लेयाय ॥ मचाबुई ॥ ४
ॐ सिद्धिगुरु आज्ञा ॥ ॐ जीगु
रुमालकुनुतकुसाहा ॥ धार ७

पापसुनाशरेयाय ॥
ॐ सिद्धिगुरु आज्ञा ॥ ॐ विरा
याजालकुफुसाहा ॥ धार १०८
नकातगुदसा ॥ लंगजपातोम
देउ ॥ ५ ॥ ॐ सिद्धिगु
रुआज्ञा ॥ ॐ जिय २ जधीजप
पभसुचेसाहा ॥ धार ७ लं

राजपा तो न के ॥ ७ ॥ ॐ न
मो सिद्धि गुरु भा ला ॥ ॐ काली
कलाली ॥ अथ त्रि विष नि कल
ति वं के से मालो ॥ गुरु सत्री मे
री भगती पुरो मंत्र ई सरो वा
चा ॥ ~~भार ७ लं रा जपा तो न~~
के ॥ सा हा को पय ॥ ८ ॥

ॐ श्री गुरु नारायण ॥ वासुदे
व वात घो ली दी नु ॥ सार लली
दी नु ॥ रगत घो ली दिनु गुरु
वा चा ॥ ~~भार २१ मंत्र मचा बु~~
पडे ॥ लं रा जपा तो के ॥

ॐ श्री गुरु सरन ॥ ई चं गु या ना
रायन ॥ नारिस य रिस ल वि ज्ञा

यमज्यु ॥ रसनं विज्ञातु ॥ विसंषु
यानारायन ॥ मोर सपुय तिसन
विज्ञायमज्यु ॥ ससनं विज्ञातुः
पं पियानारायन ॥ तरवसजपा
वनके ॥ विसनं विज्ञायमत्प ॥ र
सनं विज्ञातु ॥ त्वं यानाराय
न ॥ वाधस सुकेली सनं विज्ञाय

मज्यु ॥ रसनं विज्ञातु ॥ ह्यास
या अजीमापी ॥ पिना वायरिस
न विज्ञायमत्प ॥ रसनं विज्ञातु ८
~~धार ७ धोमंत्र ॥ नाली सयव~~
~~ले रुमके ॥ मचानं युईव~~
~~ले वीने गुधो ॥ १० ॥~~
ॐ नमो गुह आज्ञा ॥ नारायदी

आज्ञा ॥ सत्य नारायन ॥ पाता रया
नारायन ॥ आकासया नारायनः
सत्यवाचा उर्ध्वचलोर्ध्वफट्त्वा
हा ॥ ~~अर २१ धोमंत्रं मवायुय~~
केवले ॥ योना चोने सत्यवाचा ॥ ४
ॐ पंचरक्षा ॥ महारक्षा ॥ यज

रक्षा ॥ वंशय स्वाहा ॥ ~~धमंत्रं~~
~~आखेत ग ५ लेजपातिनाक्षोय~~
अलेकाथां वसां ॥ पत नयदई
मधु ॥ १२ ॥ ॐ पालवतीका
वाचा ॥ ॐ ॐ के ॐ विसलु मै
रे गुरु ॥ पालवती गुरु के वाचाः

सयेकुमालकेवाचा ॥ दमदादो
उनुविचीफुड ॥ **धार ७** पैले
चामकोपिपोवनायल ॥ विराल
वनाउनु ॥ पीपरकोरुखकोदाउ
लामावालीर ॥ धरानीकामसी
तुराउनुल ॥ तेसैविरालाराई
उ

आगुमाराषन ॥ वैसारमातसे
ईमाछालिदीन ॥ अंगमाजोभा
फुनतेसको ॥ रगतपाउनुलाई
तेसकोनामलेजाहाको ॥ रगत
पीयाउनुमनसुवापद ॥ उहीका
रगतकिमीत्यसै ॥ विलाताको
मुखलाईदिनु ॥ पुजागनु ॥ अक्ष

ता जपी हानी प पाउनु ॥ दमदा
राई घारी राखन ॥ अघी पुजाग
रनु ॥ पदि मंत्र जापगन हानु ॥
जांद ॥ भोली ॥ धादि सारन ॥ फे
रि बिर होदन ॥ वे होरा कहु ॥ नाम
रकोपी भो कोपी र को मुक्ति व नाउ
न ॥ पुतली ॥ सिंधुर १ कपूर १ ज

तामास १ गल कपूर १ पुषास १
सुसिं १ यती सात दाम गली ॥ पु
जागर ॥ सतु लाईर ॥ वमात्री दी
नेमन सुषा भयो ॥ त्यई पुतली
रगी ॥ केराका बोत मालगी ॥ पुजा
गली ॥ त्यहिं गदी दीनु ॥ त्यहिमा
भोकी दिनु ॥ आवासा राखन ॥ मत्त

आर्य समाज

821

ADAM ARCHIVES

BROWN

9

MADE IN JAPAN

ॐ ह्र ॥ कुषराकोपो धीले ॥ पुजा
गली ॥ हारु ॥ सनुनातहुं ॥ हा
या हो ॥ १३ ॥ ॐ विक्रानना
यत्नाहा ॥ धोमंतन १०८ वजीस
जपानके ॥ कासंवस्यजुई ॥
ॐ किं कुमदेपानाय ॥ ममकंव
संकुतत्ताहा ॥ धार २१ काउ

वस्तुलीयानानकुसाजु॥ वस्य॥
ॐ नमो गुरु आज्ञा ॥ श्रीसिंधुर
स्व भागीनीकुमाली ॥ वज्रजोगनी
भाज्ञा॥ धार १०८ आदि त्रया
लखुनु ॥ पिगनेमहनीफयाह
य ॥ जाप १०८ यानातिथे ॥ नके
गुलीतयानंजु॥

ॐ सिद्धिगुरु आज्ञा ॥ ॐ नमस्तथा
हनुमंत्र भते ॥ हनुमंत्र सिलेसा
हा ॥ धार फ को यानावने ग
नगीनं ले वने वले ॥ भुत ॥ पेत
देवता ॥ दाहिनी ॥ साहिनी ॥ पु
जोपी नाप रात धासा ॥ धगुने
रापचीसंकावने ॥ नयदुनमदु॥

ॐ गुरुमो^घता मञ्जीषा ॥ गुरुसत्प
तारनी ॥ वायुद^हजितफोना ॥ हुं
वायुदेवतारनी ॥ सतीदेवी ओम्
तानी गुरु ॥ ओज्यासिमधयकंल
हाविज्ञायमदु ॥ कार ७ जा
स्वांपुयाहोराक्षोय ॥ स्वांपुयाज
कक्षोयानंगा ॥ ५मागु

ज्याक्षोय ॥ किं २ जाकितायेमार ॥
देवतायानामनयाय ॥
ॐ दक्षीनभैरव ॥ उममंत्रभैर
व ॥ अकाशभैरव ॥ कारभैरव
माहाभैरव ॥ मसानभैरवहुंफ
ट्स्वाहा ॥ कार ७ जाप १०८ म
सानयाचाक्याहय ॥ पैगुमुसा

नयागु ॥ मंत्रयानाव ॥ ५५ ॥ अय
मा ५५ ॥ शर्तुया क्षे स ॥ कयका
क्षेय दैली ॥ सत्रुमारन ॥
ॐ कलकता क्ष ॥ भासस पाई
पपाई फट् स्वाहा ॥ बार ७ क
तपीनी नई वले स्वया ॥ आका
सं पुया द्योय ॥ प्याये गारा पाके

रोग याय जुर ॥ ॥ ॐ कालि
विजे सम कु रे ॥ आसन विदिरु
दुट् स्वाहा ॥ ५५ ७ वाडा पा
होरा द्योय ॥ आसन याना चोग
स मन ॥ पाके ७ ॥ ॥ ॐ वी
भु काले व हिली दुट् स्वाहा ॥
बार ७ वाजपा हो ले लि काय ॥

ॐ जालिमालीफालीरुं दाली
रुं फरुत्ताहा॥ धार १०८ चुपी
सजापया राना॥ सत्रुयापालीरु
चस॥ चुपीताय॥ नाम कायमा
ल॥ सत्रुमारन॥ ॥ ॐ न
मो भगवत्पदासु देवाय नम ॐ
कालीमहाकाली॥ भद्रकाली॥ कं

काली॥ पोसंत्रन शत्रुदेदनया
यरुं फरुत्ताहा॥ धार १०८
सत्रुं कुयायगु चा॥ कुचु ३ क
या॥ नौतसं पुत्री नौय॥ म्सा
नसयना॥ पुजा याना तय मुसा
ने॥ ५४ नकिताय मुत्रिस॥ जा
पयाय १०८ ॐ ३ पतीमात्राह

फट् स्वाहा ॥ अर ३०ॐ अय
स्वावे पस्वावे स्वाहा ॥ फां हिं स्वा
हा ॥ ~~भार १०८ मुत्रिउ ना द्यो~~
य ॥ नउजंमा मुत्तोने पुना द्योय
ग ॥ ॥ ॐ नमो भगवत् ॥ स्व
द्वन्द्व नैरवी ॥ कालकुठ विषं ॥ स
फोर् २ फोर् य २ खादये २ अवता

रय २ नास्ति विष ॥ हरा हल विष
संयोग विष ॥ स्मर विष ॥ अ
त्युग विष ॥ जगम विष ॥ द्वात्रच
वृषा प राद् व मंत्र ॥ तदुदयान
य न ॥ इधय २ ॐ काराय ॥ माहा
कात्राय ॥ कालमददेवी ॥ अमृत
गर्भदेवी ॥ ॐ ॐ सट् फट् स्वाहा ॥

५२ १ ~~धोमंत्रं~~ जादनयाय ॥
विषदको या ॥ दोषदको या तस्य ॥

वस्यकर्क ॥ मातृलकजलं
पत्नीवधनाक्षुअनायायग
दधूल

प्रकार ३ पुंषभया २धुप ॥

जलखं १ न्या १ किसली ५
जय ५ जा ५ वाकुमधी ५
रुल ५ जंका ५ गुंता ५
पुं: पुषास २१ पाणु ५
ध रउध कगाध हाउध
शतजा राय संपजा ५
मयकुकि १ गुयकाप कु ५

हाउ काप कू ५ गका ५
पैसा ५ तुय जाकि कू ५
बा हां ९ ३७ ९

५ ली सिद्धय काद कू नागका ५
५ ग कू याकल ५ सा गका ९५ पूजा
बल

वस्य कू ॥ लिपा कायगु उमान ॥
मालन कू ॥ गका ३९
लिपा कायगु उमान ॥
मविल सा लिगु ना क्यय सुः
याकू सु याग ५ यागु याय सुः

संमत १०५६ मिः भाद्र वमास्ये याः
नमिखुनु सिद्ध यकाविया ॥ बुवाहा
या सिद्धीला जदं गुभाजुः भारो
यत्नवाहा दुरयात् ॥ कायगुननी
दिदीस्यनेत २६ श्री नास्यनाग
पोसार